बकरीद मुबारक | बढ़ती कीमतों ने कई परिवारों का बजट बिगाड़ा

त्यौहार को लेकर बाजारों में बढ़ी भीड़

खरीददारी करती महिलाएं

नवभारत,जबलपुर। आगामी 28 मई को मनाए जाने वाले बकरीद पर्व को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जबलपुर शहर के मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में मंगलवार को बकरों की बड़ी मंडी सज गई, जहां शहर ही नहीं बल्कि गांव देहात से भी बड़ी संख्या में लोग अपने बकरे लेकर पहुंचे रहे है। शहर की बकरा मंडियों में अलग-अलग नस्ल और आकार के बकरे लोगों के आकर्षण का केंद्र बन रहे है। वहीं बकरा खरीदने पहुंचे लोगों का कहना है कि इस बार बकरों के दाम पिछले साल की तुलना में काफी ज्यादा हैं। खरीदारों का मानना है कि जैसे-जैसे बकरीद नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे क़ुरबानी के बकरों के रेट और बढ़ते जा रहे हैं। बकरीद के त्योहार को लेकर शहर के बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है। कपड़ों, मिठाइयों और अन्य खरीदारी के साथ भी लोगों की आवाजाही अब तेज हो गई है। बता दे कि इस बार बाजार में बकरों की कीमत करीब एक हजार रुपये से शुरू होकर एक लाख रुपये तक पहुंच रही है। इनमें नस्ल, वजन और देखभाल के आधार पर कीमतों में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है।

फोटो खिंचवाते नज़र आए

मंडी में लगी चहल-पहल और रंग-बिरंगे बकरों को देखकर छोटे बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। बच्चे बकरों के साथ फोटो खिंचवाते और उन्हें दुलारते नजर आए। त्यौहार को लेकर लोगों में उत्साह जरूर दिखाई दे रहा है, लेकिन दूसरी ओर महंगाई का असर भी साफ नजर आ रहा है। कई खरीदारों का कहना है कि पिछले वर्षों की तुलना में इस बार त्योहार का बजट बढ़ गया है। कुछ परिवार सीमित बजट में तैयारी कर रहे हैं, जबकि कई लोग सिर्फ जरूरी खरीदारी तक खुद को सीमित रखने की बात कर रहे हैं। बकरीद को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ने लगी है और आने वाले दिनों में मंडी में भीड़ और ज्यादा बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है।

शाम को दिखती है रौनक

इस बार भीषण गर्मी के बीच पड़ रही बकरीद के त्योहार में दिन के समय अधिकांश बाजार खाली नजर आते है। वही बाजारों में शाम होते होते चहल पहल बढ़ने लगती है जो देर रात तक सजी रहती है। वही व्यापारी अच्छी बिक्री की उम्मीद जता रहे हैं और आम लोगों के बीच महंगाई चर्चा का बड़ा विषय बनी हुई है। कुछ लोगों का कहना है कि जहां एक तरफ कई परिवार रोजमर्रा के खर्चों को लेकर सोच-समझकर खर्च कर रहे हैं, वहीं त्योहारों के दौरान बढ़ता खर्च आर्थिक असमानता पर भी सवाल खड़े करता है। हालांकि त्योहार को लेकर लोगों का कहना है कि बकरीद सिर्फ खरीदारी का नहीं, बल्कि आस्था, त्याग और जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने का भी पर्व है। ऐसे में बाजारों की रौनक के साथ सामाजिक संवेदनाओं की चर्चा भी इस बार दिखाई दे रही है।

28 मई को मनाई जाएगी ईद-उल-अज़हा (बकरीद)

ईद-उल-अज़हा (बकरीद) का पर्व 28 मई, जुमेरात को पूरे मुल्क में अकीदत, उल्लास के साथ मनाया जाएगा। पर्व को लेकर विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में विशेष तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मुस्लिम समुदाय के लोग सुबह ईद की नमाज अदा करेंगे और मुल्क में अमन, चैन और खुशहाली की दुआ मांगेंगे। रानीताल ईदगाह में ईद-उल-अज़हा के मौके पर मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना डॉ. मुशाहिद रजा कादरी बुरहानी मुस्लिम समुदाय को संबोधित करेंगे। इसके बाद प्रात: 10:30 बजे नायब मुफ्ती-ए-आजम मध्यप्रदेश हजरत मौलाना सूफ़ी जियाउल हक कादरी ईद की नमाज अदा कराएंगे। हजरत मौलाना इनामुल हक कादरी ने नमाजियों से समय से पहले पहुंचने की अपील की है।

गोहलपुर, सदर, गढ़ा ईदगाह में होगी नमाज-गोहलपुर वक्फ मोमिन ईदगाह में सुबह 8:30 बजे पेश इमाम हाफिज मोहम्मद ताहिर साहब ईद-उल-जुहा की नमाज अदा कराएंगे। सदर बाजार स्थित ईदगाह में ईद की नमाज सुबह 8:30 बजे अदा की जाएगी। मौलाना सुल्तान अहमद साहब नमाज पढ़ाएंगे। सदर जामा मस्जिद में 9:15 बजे नमाज अदा की जाएगी। गढ़ा ईदगाह में ईद-उल-अज़हा की नमाज सुबह 9:45 बजे हाफिज कारी मौलाना अमीर अशरफ अदा कराएंगे।

लोकनृत्य, संगीत और नाटक की प्रस्तुतियों ने मोहा मन

25 दिवसीय अभिनय एवं लोक कला कार्यशाला का समापन

नवभारत,जबलपुर। नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर रामनगर अधारताल के सहयोग से आयोजित 25 दिवसीय अभिनय, लोक संगीत, लोक नृत्य एवं व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का समापन सरस्वती शिशु मंदिर रामनगर अधारताल में संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि शरद चंद्र पालन एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगीत, नाटक एवं नृत्य जैसी कलाएँ बच्चों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा उनमें आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता का विकास करती हैं। कार्यशाला के दौरान तैयार ऐतिहासिक नाटक 'रानी दुर्गावती' का मंचन विनय शर्मा एवं पराग तेलंग के निर्देशन में किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इसके बाद भावना विश्वकर्मा के निर्देशन में बुंदेली लोकगीत फाग 'बलम नई आ फागुन में' की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। वहीं प्रेमराज विश्वकर्मा एवं देवेंद्र झरिया के निर्देशन में बुंदेलखंड के प्रसिद्ध लोकनृत्य राई एवं ढिमरयाई की आकर्षक प्रस्तुतियों ने उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया।

वितरित किए गए पुरस्कार

कार्यक्रम में अद्विका शर्मा, हर्षिता दुबे, तेशी चौधरी, कल्पना चक्रवर्ती, अनुश्री विश्वकर्मा, प्रतिष्ठा विश्वकर्मा, परी विश्वकर्मा, राधिका चक्रवर्ती, वाणी पटेल, जानवी वैरागी, ऐश्वर्या मिश्रा, आशी वरकड़े, कशिश लाहोरी, अंजली यादव, अंशिका पाठक, आरोही झा, नीतिका श्रीवास्तव, सौम्या सिंह, आदित्य पटेल, तेजस्विनी चौधरी, मानसी चक्रवर्ती, पायल चक्रवर्ती एवं नतीक्षा नौगरहैया सहित अन्य बच्चों ने सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागी बच्चों को अतिथियों द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन कार्यशाला के निर्देशक दविन्दर सिंह ग्रोवर ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, कला प्रेमी, संगीत प्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एक नजर में

लायंस क्लब जबलपुर सेन्ट्रल के पदाधिकारी मनोनीत

नवभारत,जबलपुर। लायंस क्लब जबलपुर सेंट्रल की सामान्य सभा की बैठक का आयोजन होटल ट्राईमैक्स में की गई। जिसमें सेवाकार्यों को आगे बढ़ाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में 2026-27 के लिए सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए लायन राजेश ढींगरा, सचिव पद के लिए लायन उमाशंकर सिंह, कोषाध्यक्ष के लायन राजीव शर्मा को मनोनीत किया गया है। जिसके बाद लायंस क्लब जबलपुर सेन्ट्रल के पदाधिकारी पूर्व अध्यक्ष भरत सिंह लोधी, धीरेंद्र सिंह, भारत साहू, शरद सोनी, भारत अग्रहरि, के के गुमास्ता, अजय गुप्ता, संदीप गुप्ता, एम एम नेमा आदि ने मनोनयन पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाईयां प्रेषित की गईं।

डॉ.एचपी तिवारी गौरव अलंकरण से सम्मानित

नवभारत, जबलपुर। धार के बहुचर्चित भोजशाला प्रकरण पर मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के ऐतिहासिक निर्णय के बाद अब यहां नमाज नहीं सिर्फ मां सरस्वती के अखंड पूजन अर्चन, वैदिक मंत्रोच्चार और मां वाग्देवी के जयकारों के स्वर गुंजायमान हो रहे हैं। सनातनी गौरव पुनर्स्थापन की इस ऐतिहासिक विजय के सूत्रधार और भोजशाला प्रकरण के याचिका कर्ता डॉ.एच.पी.तिवारी को शिवशक्ति धाम भक्त मंडल द्वारा सनातन गौरव अलंकरण से अलंकृत किया गया । इस अवसर पर डॉ.एच.पी.तिवारी ने उच्च न्यायालय के फैसले पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे सनातन धर्म और सनातन परंपरा की जीत निरूपित किया।

पंचमुखी हनुमान मंदिर में किए 151 हनुमान चालीसा पाठ

नवभारत,जबलपुर। पंचमुखी हनुमान मंदिर साकेत नगर में अगहन अधिक मास के गंगा दशहरा पद्मिनी एकादशी और बड़े बुढ़वा मंगलवार के संयोग पर हनुमान चालीसा के 151 पाठ किए। इस मौके पर विश्व शांति और भारत में अच्छे मानसून के लिए श्रीराम लला सरकार,हनुमान महाराज से विशेष प्रार्थना, हनुमान चालीसा पाठ में पार्षद सोनिया रंजीत सिंह, पार्षद प्रतिभा भापकर, नीता रजक, रूपा दहिया, सरिता दुबे, पूनम राजपूत, नीलू बेन , मेघा पटेल, कीर्ति जायसवाल, अनीता मिश्रा, अर्पणा, सुमन उसरेठे मोना उपाध्याय,श्री साईं महिला मंडल साकेत नगर की रूपा उपाध्याय, भारती श्रीवास्तव, यशोदा मेवारी, गायत्री कौरव, राशि पटेल, आराधना श्रीवास्तव, अलका वर्मा,कामिनि पटेल, नंदिनी साक्षी उषा किरण जोशी,दीप्ति तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मातृशक्ति की उपस्थिति रही।

नेहरू के विचारों की छाप आज भी जबलपुर में कायम

नवभारत, जबलपुर। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 27 मई यानि आज पुण्यतिथि मनाई जाएगी। आधुनिक भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले नेहरू जी को इस अवसर पर देशभर में श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। जबलपुर में भी विभिन्न संस्थाओं द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर उनके योगदान को याद किया जाएगा। आज जबलपुर का नाम उन शहरों में गिना जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश के विकास तक कई ऐतिहासिक दौर देखे। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यहां आयोजित जनसभाओं और आंदोलनों में उनकी मौजूदगी लोगों के लिए प्रेरणा का केंद्र बनती थी।

जबलपुर से गहरा जुड़ाव -इतिहास में उल्लेखित है कि उस समय जबलपुर मध्य भारत का प्रमुख राजनीतिक और प्रशासनिक शहर था। रेलवे, सैन्य गतिविधियों और औद्योगिक पहचान के कारण यह शहर राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण माना जाता था। नेहरू जी के नेतृत्व में देश जब आधुनिक विकास की दिशा में आगे बढ़ा, तब जबलपुर में भी कई क्षेत्रों में परिवर्तन देखने को मिला। नेहरू जी ने शिक्षा और वैज्ञानिक सोच को देश की प्रगति का आधार माना। इसी सोच का प्रभाव जबलपुर में भी दिखाई देता है। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय आज कृषि अनुसंधान और शिक्षा का बड़ा केंद्र बन चुका है। इसके अलावा शहर के कई शैक्षणिक संस्थानों में आज भी उनके विचारों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। पुण्यतिथि के अवसर पर शहर के संगठनों द्वारा भाषण प्रतियोगिता और श्रद्धांजलि सभाएं आयोजित की जाएंगी। कई स्थानों पर नेहरू जी की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण भी किया जाएगा।

श्री वर्णी गुरूकुल में लगाया गया वॉटर कूलर

अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद् की संभाग अध्यक्ष की पहल

नवभारत,जबलपुर। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद् चंदना संभाग जबलपुर की संभाग अध्यक्ष संध्या जैन शांत के द्वारा श्री वर्णी जी गुरुकुल में एक वाटर कूलर लगवाया गया है। अब गुरुकुल में करीब 1000 बच्चों के साथ श्री 1008 मुनि सुब्रत नाथ जिनालय के सभी श्रावक जन निर्मल नीर का उपयोग कर सकते हैं।

गुरुकुल के अधिष्ठाता ब्रह्मचारी जिनेश भैया के निर्देशन में मंत्रो के उच्चारण के साथ वाटर कूलर का शुभारंभ किया गया । फिर भैयाजी का सम्मान सभी बहनों ने शाल श्रीफल भेंट करके किया और, उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान आहार दान के लिए भोजन शाला में 1100 की राशि भी भेंट की गई। साथ ही पर्यावरण को शुद्ध बनाने के लिए गुरुकुल के मैदान के चारों तरफ आम, जामुन, नीम , अमरूद पपीता आदि फलदार एवं औषधि पौधों का रोपण करके कार्यक्रम को सानंद संपन्न किया गया। कार्यक्रम में चंदना संभाग लॉर्डगंज शाखा से साधना बड़कुल, मीना जैन , सुषमा जैन(पु.पा) शाखा अध्यक्ष मीना बड़कुल,संजना , भानु प्रिया , शांतिनाथ शास्त्री नगर शाखा से आरती , ममता , निधि , अध्यक्ष सुषमा , डॉली , रीना, शैली, त्रिशला महिला मंडलमढिया शाखा से विमला जैन ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

आध्यात्मिक उत्कर्ष के लिए तत्वबोध को समझना आवश्यक

नवभारत,जबलपुर। आध्यात्मिक उत्कर्ष के लिए तत्वबोध को समझना आवश्यक होता है। चिन्मय विद्या पीठ एवं श्री राम मंदिर मदनमहल द्वारा जिज्ञासुओं के लिए वेदांत अध्ययन पाठ्यक्रम में तत्वबोध का श्रवण एवं मनन करवाया जा रहा है। मनुष्य के रूप में जन्ममना साधारण नहीं है ये ईश्वर द्वारा प्रदत्त महान अवसर है। मैं कौन हूं, ऐसे प्रश्न जो कि हमें अपने स्वरूप के विषय में जानने के लिए प्रेरित करते हैं, उन्हीं प्रश्नों का उत्तर हमें श्री आदि शंकराचार्य द्वारा रचित तत्वबोध में प्राप्त होता है। इस आशय के उद्गार चिन्मय मिशन के श्री आचार्य हितैष चैतन्य ने व्यक्त किए। वहीं जिज्ञासुओं ने बताया कि चिन्मय विद्या पीठ एवं श्रीराम मंदिर मदनमहल द्वारा जिज्ञासुओं के लिए वेदांत अध्ययन पूरी निष्ठा के साथ करवाया जा रहा है। वेदांत की अगली कक्षाएं 30-31 मई को शाम 4 बजे से 6 बजे तक होंगीं।

जबलपुर अधिवक्ता मित्र मंडली ने जेडीए अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का किया सम्मान

नवभारत,जबलपुर। जबलपुर अधिवक्ता मित्र मंडली के तत्वावधान में मंगलवार को जबलपुर विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी का सम्मान किया गया। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने दोनों पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण दायित्व निर्वहन के लिए पुष्पमालाओं एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए। साथ ही जबलपुर को 'स्मार्ट सिटी' के रूप में विकसित करने एवं सुंदर, व्यवस्थित नगर निर्माण हेतु अपनी शुभकामनाएं व बधाइयां प्रेषित कीं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता जगदीप प्रकाश , एड. मनोज कुमार सनपाल, एड. आकाश शर्मा , एड. वैभव कुमार जैन,एड. पवन शर्मा , एड. रवि गुर्जर सहित बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

प्रो . संजय व भरतेश भारिल्ल को किया गया सम्मानित

नवभारत,जबलपुर। प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, जबलपुर संभाग, जबलपुर द्वारा 41 वर्ष की शासकीय सेवा पूरी करने पर रहे प्रो. संजय तिगनाथ, प्राध्यापक भूगर्भशास्त्र, शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर एवं प्रो. भरतेश भारिल्ल, प्राध्यापक वाणिज्य, शासकीय महाविद्यालय, मझौली, जबलपुर का शॉल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया गया।इस मौके पर संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल ने बताया कि प्रो. संजय तिगनाथ एवं प्रो. भरतेश भारिल्ल ने अपने अध्यापन कार्य में अपने विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं सहकर्मियों के बीच अपनी सहजता, मिलन सारता एवं हँसमुख स्वभाव के कारण लोकप्रिय है। उन्होनें विद्यार्थियों को अपने ज्ञान से हमेषा दिषा-दर्षन दिया है। इस अवसर पर डॉ. शैलेन्द्र श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष, प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ, जबलपुर, प्राचार्य, डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, डॉ. तृप्ति उकास, डॉ. संघप्रिया तिवारी, डॉ. शैलेन्द्र भवदिया, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत के साथ प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नगर निगम की जनसुनवाई पर बढ़ा नागरिकों का भरोसा

73 आवेदनों पर की गई त्वरित कार्रवाई

नवभारत,जबलपुर। नगर निगम द्वारा नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को दिन प्रतिदिन सुदृढ़ीकरण करने के साथ -साथ अन्य विकास एवं अद्योसंरचना के कार्य भी लगातार कराये जा रहे हैं। इसके साथ-साथ नागरिकों की समस्याओं को भी सुनकर उनका निदान किया जा रहा है जिससे नगर निगम पर नागरिकों का भरोसा बढ़ रहा है। मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय सहित सभी 16 संभागों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में कुल 73 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका त्वरित निराकरण कराकर निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने राहत पहुँचाने का कार्य किया।

निगमायुक्त ने बताया कि मुख्यालय में 53 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 8 अतिक्रमण विभाग, 14 भवन शाखा, 9 स्वास्थ विभाग, 2 जल, 1 कॉलोनी सेल, 2 राजस्व, 5 बाजार, 1 शासकीय योजना, 1 एनयूएलएम, 1 उद्यान, 1 प्रकाश, 1 संपदा, 1 लोककर्म, 1 वित्त विभाग, 1 सीवर, 1 कार्यालय अधीक्षक, 1 निर्वाचन, 1 संभाग क्रमांक 15 से संबंधित है, समस्त शिकायतों को संबंधित विभाग में प्रेषित किया गया व कुछ शिकायतों का राजस्व एवं स्वास्थ विभाग द्वारा त्वरित निराकरण किया गया। उन्होंने बताया कि शहर के सभी 16 संभाग कार्यालयों में भी जनसुनवाई की गयी। 16 संभागों में 20 प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की गयी। इस अवसर पर सभी विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

कार्यक्रम | श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज में 'जीना सीखो' कार्यक्रम में दी गई जानकारियां

तनाव से उभरकर बच्चों को सशक्त बनाने कार्यक्रम आयोजित

नवभारत, जबलपुर। कार्यालय आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्य प्रदेश के निर्देश पर 'जीना सीखो' कार्यक्रम का सफल आयोजन श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज में किया गया। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और सकारात्मक जीवन मूल्यों के विकास को ध्यान में रखकर आयोजित किए गए इस विशेष कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को तनाव, भय, प्रतिस्पर्धा और समाज के दबाव जैसी गंभीर चुनौतियों से उबरने के लिए मानसिक रूप से सशक्त बनाना था।

इस कार्यक्रम में शहर के मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन कोठारी, मनोरोग विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य नोडल अधिकारी डॉ. रत्नेश कुरारिया तथा मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. विद्या रत्न बरकड़े उपस्थित रही। इनके साथ ही श्रीराम ग्रुप से आर. के. करसोलिया, रामेंद्र करसोलिया, सोनम करसोलिया, राजुल करसोलिया, डॉ. प्रदीप उप्पल, डॉ. योगेश मोहन दुबे सहित मनोरोग काउंसलर माया सिंह एवं मनीषा सोनी ने भी हिस्सा लिया। इन सभी अतिथियों और विशेषज्ञों द्वारा बच्चों को आत्मविश्वास, संवाद कौशल, सकारात्मक सोच, भावनात्मक अभिव्यक्ति तथा जीवन में अनुशासन एवं संवेदनशीलता के महत्व के बारे में विस्तार से प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों, प्रेरक संवादों और सहभागितापूर्ण सत्रों के माध्यम से बच्चों ने बेहद उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष जोर

इस अवसर पर मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. रत्नेश कुरारिया ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य उतना ही महत्वपूर्ण है जितना उनका शारीरिक स्वास्थ्य आवश्यक होता है। कार्यक्रम में बच्चों को जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा स्वस्थ संवाद विकसित करने का संदेश दिया गया। वहीं मुख्य अतिथि डॉ. नवीन कोठारी ने कहा कि परिवार, महाविद्यालय और समाज सभी को मिलकर ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए जहाँ बच्चे बिना भय और दबाव के अपनी भावनाएँ व्यक्त कर सकें। कार्यक्रम के अंत में संस्था के वाइस चेयरमैन रामेंद्र करसोलिया ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन प्रोफेसर दिव्यांशी दुबे ने किया।

जल ही जीवन है का दिया संदेश

आमजनों के लिए समर्पित किए वॉटर कूलर

नवभारत,जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता पंकज दुबे एवं उनके परिवार द्वारा अपने स्वर्गीय पिता, पूर्व आचार्य, अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, कला एवं दर्शनशास्त्र विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, स्व. डॉ. एस. पी. दुबे की पुण्य स्मृति में आमजन की जल सेवा हेतु वाटर कूलर समर्पित किया गया। यह वाटर कूलर 6 नंबर रेलवे प्लेटफार्म की ओर स्थित एस.पी. कार्यालय के पास राजा शंकर शाह एवं कुँवर रघुनाथ शाह स्मृति प्रतिमा स्थल पर स्थापित किया गया है, जिससे प्रतिदिन आने-जाने वाले नागरिकों एवं राहगीरों को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर पंकज दुबे का परिवार, सुधीर श्रीवास्तव, जगदीश ननहेट, किशोरी लाल भलावी, अजय झरिया, बैजनाथ कुशवाहा, मूलचंद मौर्य, सुरेंद्र लखेरा एवं अजय दुबे सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस मौके पर उपस्थितजनों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भीषण गर्मी में आमजन को शीतल जल उपलब्ध कराना एक अत्यंत पुण्य एवं प्रेरणादायी कार्य है। इस अवसर पर 'जल ही जीवन है' का संदेश भी दिया गया तथा जल संरक्षण एवं जनसेवा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।